सीआईएमपी में आवेदन प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) में 5000 से अधिक आवेदकों ने पीजीडीएम कार्यक्रम के लिए अभी तक आवेदन किया है। सीआईएमपी के प्रशासन प्रमुख डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि यह रिकॉर्ड संख्या है और इसके बढ़ने की संभावना बाकी है। आवेदक न केवल बिहार से, बल्कि दक्षिण भारत सहित दूर-दराज के राज्यों और क्षेत्रों से भी आते हैं। इसके अलावा, सीआईएमपी की वेबसाइट पर विजिटर्स की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। आवेदनों में अचानक उछाल स्नातकोत्तर बैच की गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट, सीआईएमपी के भारत में अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने, अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र पर दृश्यता इत्यादि जैसे कारण प्रमुख है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने सीआईएमपी छात्रों को आकर्षक पैकेज पर नियुक्त किया है। कोरोना वायरस महामारी के बावजूद सीआईएमपी कैंपस प्लेसमेंट के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पहले से भी अधिक कंपनियों को आकर्षित करने में सक्षम रहा है। सीआईएमपी बिहार सरकार द्वारा स्थापित एकमात्र संस्थान है जिसे एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है। एनबीए द्वारा प्रत्यायन (एक्रेडिटेशन) प्राप्त पीजीडीएम, जिसे एनआईआरएफ द्वारा शीर्ष 100 बी-स्कूलों में स्थान दिया गया है और इसके पीजीडीएम को एआईयू द्वारा एमबीए के समकक्ष मान्यता दी गई है। एडमिशन कोअर्डिनेटर ने बताया कि घरेलू उम्मीदवारों के अलावा, सीआईएमपी जल्द ही अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों को दाखिला देगा। संस्थान को हाल ही में स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) कार्यक्रम में शामिल किया गया है। भारत में अध्ययन (एसआईआई) कार्यक्रम ईडीसीआईएल, शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजना है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रमुख भारतीय संस्थानों में अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रखा गया है।

संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. राणा सिंह ने संकाय सदस्यों और एडमिशन कोऑर्डिनेटर को उनके सराहनीय कार्यों और योगदान के लिए बधाई दी है।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-04 ! Dated:22-03-2022

Application process picks up steam at CIMP

OUR CORRESPONDENT

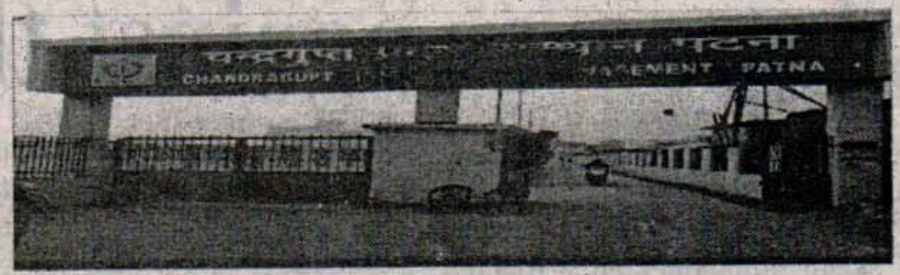

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) has witnessed record numbers in its application process this year. More than 5000 applicants have started the application process for the flagship PGDM program of CIMP. In his brief, CIMP Head of Administration, Dr. Rajeev Ranjan informed that this record number is very likely to increase further. He informed that applicants hail not only from Bihar, but also from distant states and regions, including South India. Besides, the traffic on CIMP's website (www.cimp.ac.in) has also increased substantially. The sudden surge in the applications are attributed to factors like the quality placement of the graduating batch, visibility on the international arena due to CIMP's inclusion in Study in India programme. He explained that national and international companies have hired CIMP students at lucrative packages. Despite the CORONA virus pandemic, CIMP has been able to attract more companiesacross various sectors, for campus placement.

It should be noted that CIMP is the only institution established by the Government of Bihar which isapproved by AICTE, PGDM accredited by NBA, which has been ranked among Top-100 B-Schools by NIRF and itsPGDMhas been recognized as equivalentto MBA by the AIU. The Admissions Chairperson explained that, besides domestic candidates, CIMP would soon be home to international candidates. The institute has recently been included in the Study in India (SII) programme. The Study in India (SII) programme is the flagship project introduced by EDCIL, Ministry of Education (MoE), Government of India. The programme has been put together to facilitate and encourage international students to study in premier Indianinstitutions.

CIMP has the privilege of state-of-the-art infrastructure with high quality faculty members drawn from premium institutions with vast experience in academics and research. The dynamic curriculum, course structure and pedagogy at par with reputed national institutesprovides enhanced employability to the students studying here. The CIMP Business Incubation & Innovation Foundation (CIMP-BIIF)also plays a key role in the intellectual cultivation of the students here as it facilitates innovative business ideasamongst the students and grooms them to become employment creators instead of being employment seekers.

The Director in-charge of the institute Dr. Rana Singh congratulated the faculty members and the Admissions Chairperson for their sincere work and contribution.

Morning India ! Page.NO-02 ! Dated:22-03-2022

सीआइएमपी : 5000 से अधिक आवेदन

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में इस साल रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं. सीआइएमपी के पीजीडीएम की 120 सीटों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है. आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च है. अब तक पांच हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं. सीआइएमपी के प्रशासन प्रमुख डॉ राजीव रंजन ने बताया कि यह संख्या और बढ़ने की संभावना है. उन्होंने बताया कि आवेदक न केवल बिहार से, बल्कि दक्षिण भारत सहित दूर-दराज के राज्यों और क्षेत्रों से भी आ रहे हैं. इसके अलावा, सीआइएमपी की वेबसाइट (www.cimp.ac.in) पर विजिटर्स की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है.

Prabhat Khabar !Page.NO-05
Dated:22-03-2022

सीआइएमपी में पीजीडीएम के लिए पांच हजार आवेदन

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के पीजीडीएम कोर्स के लिए अब तक पांच हजार आवेदन आ चुके हैं। 31 मार्च तक आनलाइन आवेदन प्रक्रिया ज़ारी रहेगी। संस्थान के प्रशासन प्रमुख डा. राजीव रंजन ने बताया कि यह रिकार्ड संख्या और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आवेदक न केवल बिहार से, बल्कि दक्षिण भारत सहित दूर-दराज के राज्यों और क्षेत्रों से भी आते हैं। नामांकन के लिए अभ्यर्थी www.cimp.ac.in पर पूरी जानकारी हासिल कर सकते है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने सीआइएमपी छात्रों को आकर्षक पैकेज पर नियुक्त किया है। राज्य सरकार का यह एकमात्र संस्थान है जिसे एआइसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है, एनबीए द्वारा प्रत्यायन (एक्रेडिटेशन) प्राप्त पीजीडीएम, जिसे एनआइआरएफ द्वारा शीर्ष -100 बी-स्कूलों में स्थान दिया गया है और इसके पीजीडीएम को एआईयू द्वारा एमबीए के समकक्ष मान्यता दी गई है।

एडमिशन को-आर्डिनेटर ने बताया कि, घरेलू उम्मीदवारों के अलावा, सीआइएमपी जल्द ही अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों को दाखिला देगा। संस्थान को हाल ही में स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) कार्यक्रम में शामिल किया गया है। भारत में अध्ययन (एसआइआइ) कार्यक्रम ईडीसीआइएल, शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजना है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रमुख भारतीय संस्थानों में अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रखा गया है।

Dainik Jagran
Page.NO-07
Dated:22-03-2022